an>

Title: Alleged exploitation of patients by private hospitals in the country.

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सदन को यह बताना चाहता हूं कि एक तरफ जहां सरकारी अस्पतालों में इलाज की कठिनाइयां हैं फिर भी हमारी सरकार जीवन रक्षक उपकरणों के संदर्भ में बहुत अच्छे प्रयास कर रही है। लेकिन दूसरी तरफ बड़े और छोटे शहरों में ऐसे तमाम नर्सिंग होम्स बनते चले जा रहे हैं, आप मुझे इस शब्द के लिए क्षमा करेंगी कि कुकुरमुते की तरह जगह जगह नर्सिंग होम्स बनते जा रहे हैं। इन सभी में आजकल एक प्रचलन हो गया है कि वहां आईसीयू वार्ड तुरंत बना देते हैं और वेंटीलेटर लगा देते हैं। उसमें यह होता है कि आज आम गरीब को जरूरत रहे या न रहे, तुरंत उसे बताएंगे कि आप वेंटीलेटर पर चलिए और वेंटीलेटर पर रखकर आईसीयू वार्ड में उसका इलाज किया जाता है। इस पर इतना ज्यादा उस गरीब का पैसा खर्च होता है तथा दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थति तब हो जाती है जब वेंटीलेटर पर कभी कभी वह आदमी मृत्यु को प्राप्त हो गया लेकिन तब भी वेंटीलेटर से उसको नहीं हटाया जाता है। माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी भी यहां उपस्थित हैं, मैं यही आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी के संज्ञान में यह बात लाना चाहता हूं कि आदमी मर गया लेकिन तब भी उसको वेंटीलेटर से नहीं हटाया जाता और उसका इलाज चल रहा है। उसके परिवार वाले अपने गहने और जमीन बेचकर लाखों रुपये देकर उस आईसीयू वार्ड का पेमेंट करते हैं। मृत शरीर के साथ यह जो अनैतिक कर्म इन छोटे छोटे अस्पतालों में आईसीयु के नाम पर हो रहा है, मैं आपके माध्यम से अनुरोध करता हूं कि इस पर केन्द्र सरकार तुरंत रोक लगाए तथा कोई ऐसा सिस्टम डवलप करे जिससे इस तरह की अनैतिकता देश के तमाम जगहों पर जो इलाज के नाम पर हो रही है, वह बंद हो जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय द्वारा उठाये गये विषय के साथ डॉ संजय जायसवाल को एसोशिएट किया जाए।